सूचना
यदी आप को नियमित दैनिक सुफ्फा का अंक प्राप्त नही हो रहा है या फिर आप दैनिक सुफ्फा हासिल करना चाहते है तो इस नम्बर पर संपर्क करे- 7620469536
औरंगज़ेब हुसैन (कार्यकारी संपादक)

दैनिक सुफ्फा

आम आदमी की आवाज़...
मुख्य संपादकः सज्जाद हुसैन अल्ताफ हुसैन
R.N.I. MAHHIN/2017/70719

Email:suffaakl@gmail.com ■ साल ९ वा ■ अंक ४७ ■ तारीख, गुरूवार ०३ अप्रैल २०२५ ■ अकोला ■ पृष्ठ ४ ■ मूल्य ३ रूपये

सेक्युलर पार्टियां बिल के खिलाफ खड़ी हों, वरना सबक सिखाएंगे

वक्फ विधेयक पर मुंबई में उलेमा-इमामों ने बुलंद की आवाज

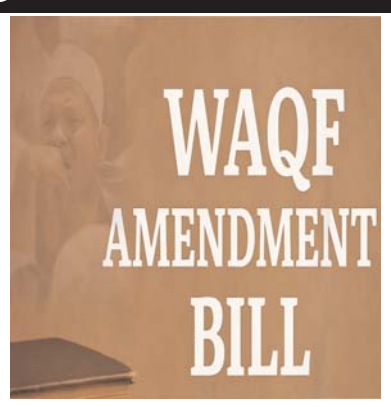

नई दिल्ली-
वक्फ बिल संसद में पेश होने से पहले मुंबई में उलेमा और इमामों ने आपात बैठक बुलाई. इसमें अलहाज मोहम्मद सईद नूरी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार समेत अन्य सेक्युलर पार्टियां बिल के खिलाफ खड़ी हों, वरना मुस्लिम सबक सिखाएंगे. मौलाना एजाज़ अहमद कश्मीरी ने कहा कि वक्फ बिल जहां संविधान के खिलाफ है, वहीं यह मुसलमानों की संपत्तियों पर जबरन कब्जा करने की साजिश है. वक्फ बिल को लेकर देश में जिस तरह की उथल-पुथल मची हुई है, वह बेहद चिंताजनक है. खासतौर पर भारत के मुसलमानों के लिए. यह एक 'करो या मरो' की स्थिति है क्योंकि इस बिल के जरिए मुस्लिम संपत्तियों को जानबूझकर लूटने की कोशिश की जा रही है. बिल के खिलाफ मुंबई के हांडी वाली मस्जिद में रजा अकादमी ने तत्काल प्रभाव से उलेमा, इमाम और मदरसा शिक्षकों की आपात बैठक बुलाई और बिल के खिलाफ

आवाज उठाने की अपील की. बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के प्रमुख अलहाज मोहम्मद सईद नूरी ने कहा कि वक्फ बिल सीधे तौर पर मुसलमानों की संपत्तियों पर कब्जा करने की साजिश है, जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता.उन्होंने कहा कि यह बिल न केवल संविधान विरोधी है, बल्कि मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता पर भी हमला है. अन्य धर्मों के लोगों को भी यह याद रखना चाहिए कि आज यह हमला मुस्लिम वक़्फ़ संपत्तियों पर हो रहा है, कल यह पारसी समुदाय, सिखों, बौद्धों और अन्य धार्मिक स्थलों तक भी पहुंचेगा. अगर इस कानून को रोका नहीं गया तो कोई गुरुद्वारा, पारसी अग्नि मंदिर या अन्य धार्मिक स्थल सुरक्षित नहीं रहेगा. इसलिए सभी धर्मों के लोगों को इस तानाशाही सरकार के खिलाफ एकजुट होना होगा. सईद नूरी ने सेक्युलर पार्टियों के नेताओं चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, जयंत चौधरी, चिराग पासवान समेत एनडीए में शामिल अन्य नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी उनके पास समय है कि २ अप्रैल को संसद में इस बिल के खिलाफ खुलकर विरोध करें. वरना अल्पसंख्यकों का उन पर जो भरोसा था, वह खत्म हो जाएगा. अगर विरोध नहीं करते हैं तो इसका मतलब यह होगा कि उन्होंने अपनी पार्टियों को मोदी के हाथों बेच दिया है (शेष पृष्ठ ३ पर)

वक्फ की जमीन से बड़ा मुद्दा वो जमीन जहां चीन ने कब्जा किया..लोकसभा में बोले अखिलेश यादव

नई दिल्ली-
समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक, २०२४ पर मोदी सरकार को जमकर घेरा है. उन्होंने बुधवार को लोकसभा में कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ये बिल ला रही है. उसकी नजर वक्फ की जमीन पर है. अखिलेश ने कहा कि वक्फ की जमीन से बड़ा मुद्दा देश की वो जमीन है जिसपर चीन ने गांव बसा लिए हैं. सदन में बिल पर बहस के दौरान अखिलेश ने कहा, ये नाकामियों का बिल है. इस सरकार ने नोटबंदी का भी फैसला लिया था. लेकिन आज भी कितनी जगहों से नोट निकल रहे हैं. नाकामी किसानों को लेकर भी है. महंगाई को लेकर भी है. क्या गंगा साफ हो गई. क्या स्मार्ट सिटी बन गई. इस बार नाकामी का पर्दा वक्फ बिल बना है. जिसके लिए फैसला होना है उनकी बात को भी अहमियत नहीं दी गई.सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये देश सबको साथ लेकर चला है. अभी कुछ दिन पहले ईद थी. इस बार पता नहीं क्या वजह थी पांबदी लगी थी. मंत्री जी को ये बताना

चाहिए. उन्होंने कहा कि बीजेपी जब भी कोई नया बिल लाती है तो वो अपनी नाकामी छिपाती है.अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने महाकुंभ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए. लोगों की जान गई वहां पर. वो अपनी नाकामी छिपा रही है. कुंभ में जिनकी जान गई सरकार उनके बारे में बताए. जो १ हजार हिंदू गायब हुए हैं उनके बारे में सरकार बताए. अखिलेश यादव ने कहा कि मैं बीजेपी की सोच के बारे में बता रहा हूं. धर्म की चीजों से कारोबार नहीं हो सकता है. कुंभ क्या कारोबार की जगह है.सपा अध्यक्ष ने कहा कि क्या रेलवे की जमीनें नहीं बेचे जा रही हैं. क्या डिफेंस की जमीनें नहीं बेची जा रही हैं. वक्फ भी भारत का है. वक्फ की जमीन से बड़ा मुद्दा वो जमीन है जिसपर चीन ने कब्जा कर लिया है. अखिलेश ने कहा कि वक्फ बिल के जरिए मुसलमानों के अधिकारों की छीना जा रहा है. बिल के पीछे ना तो नीयत सही है और ना ही नीति. बीजेपी अलोकत्रांतिक पार्टी है.अखिलेश ने कहा, 'ज्यादातर पार्टियों विरोध में हैं. लेकिन बीजेपी बिल क्यों लाना चाहती है. बीजेपी असत्य बात कहती है. जब से वोट में गिरावट आई है तब से बीजेपी वोट को संभालने की कोशिश में जुटी है. वक्फ की जमीनों पर उसकी नजर है. ये अपने लोगों को जमीनें देना चाहती है. वोट बैंक को संभालने के लिए इस बिल का लाया जा रहा है. इससे पहले जो बिल लाए गए क्या उससे देश में कोई बदलाव आया. बीजेपी मुस्लिमों में भी बंटवारा चाहती है.

एक नजर

जबलपुर: प्रिंसिपल के 'भगवान राम से जुड़े वॉट्सऐप स्टेटस' को लेकर स्कूल में तोड़फोड़

नई दिल्ली-
मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने एक स्कूल प्रिंसिपल के वॉट्सऐप स्टेटस को लेकर स्कूल में तोड़फोड़ की और आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पोस्ट में प्रिंसिपल ने कथित तौर पर भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि (शेष पृष्ठ ३ पर)

बीएसएनएल के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिलायंस जियो को 'बिल' न देने से सरकार को करोड़ों का नुक़सान

नई दिल्ली-
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मंगलवार (१ अप्रैल) को कहा कि सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल द्वारा मई २०१४ से दस वर्षों तक रिलायंस जियो को बिल देने में 'विफल' रहने के चलते केंद्र सरकार को १,७५७.५६ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, बीएसएनएल और रिलायंस जियो के बीच पैसिव इंफ्रास्ट्रक्चर के बंटवारे पर समझौते के बावजूद बीएसएनएल इसे लागू करने में विफल रहा और उसने कोई वसूली नहीं की.कैग ने एक बयान में कहा कि बीएसएनएल को ३८.३६ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, क्योंकि वह दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में विफल रही है. (शेष पृष्ठ ३ पर)

'मीठी ईद के जायके को कड़वा करना...' वक्फ विधेयक पर लोकसभा में क्या बोलीं इकरा हसन?

नई दिल्ली-
लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा हुई। इस दौरान समाजवादी पार्टी की ओर से कैराना से सांसद इकरा हसन ने चर्चा में हिस्सा लिया और विधेयक को ईद से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ईद की रौनक बुझी भी नहीं थी कि हमारी जड़ों पर नया फरमान लाया गया। सरकार महिलाओं की बात कर रही है, लेकिन महिलाओं को इस विधेयक से कुछ नहीं मिल रहा। इकरा हसन ने लोकसभा में कहा कि ईद के मौके पर एक विधवा महिला एक लड़की के साथ मेरे पास आई और बताया कि वह वक्फ की प्रॉपर्टी पर रहती है। वही प्रॉपर्टी उसकी रोजी-रोटी और छत का काम करती है। ऐसे लाखों गरीब

लोग वक्फ की संपत्ति से अपना रोजगार चला रहे हैं। संशोधित विधेयक के प्रावधानों से लोग सड़कों पर आ जाएंगे। इकरा हसन ने कहा कि सत्ता के लोग एकदूसरे की पीठ थपथपा रहे हैं कि संशोधनों को स्वीकार कर लिया जाए, लेकिन इनकी शरारत यह है कि एक ऐसा प्रावधान शामिल किया गया है कि अगर कोई भी वक्फ की संपत्ति विवादित होगी तो वह अपना वक्फ स्टेटस खो देगी। इसका कोई मतलब नहीं है। यह बिल मुसलमान की भलाई का नहीं, वजूद और विरासत को मिटाने का बिल है। आपके मुंह से धर्मनिरपेक्षता की बात सुनकर अच्छा लगा, लेकिन अगले ही पल यह भ्रम टूट जाता है। इकरा ने कहा कि महिलाओं का मुद्दा बार-बार उठाया जा रहा है। सरकार का कहना है कि वक्फ बोर्ड में मुस्लिम महिलाओं को प्रतिनिधित्व देंगे। इस विधेयक से पहले भी मुस्लिम महिलाएं वक्फ बोर्ड में सदस्य रह चुकी हैं। सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के लिए कौन-सा नया काम किया?। (शेष पृष्ठ ३ पर)

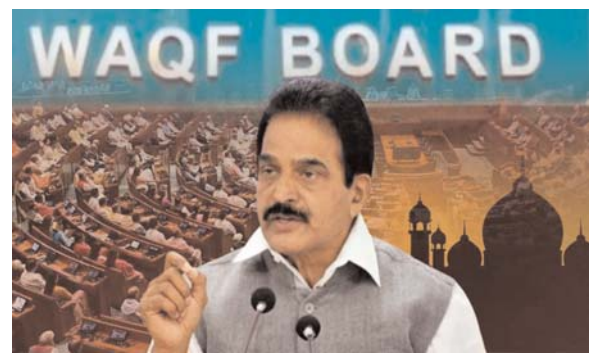

धर्म के नाम पर भाजपा देश को बांटना चाहती है.. केसी वेणुगोपाल ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का किया विरोध

नई दिल्ली-
कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर हुई बहस के दौरान बिल का विरोध किया. उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, २०२५ भारत में संघ परिवार के छिपे हुए एजेंडे को स्थापित करने का भाजपा का प्रयास है. कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करते हुए भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी देश को धार्मिक आधार पर बांटना चाहती है. उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि इस दौरान कई कानून आएंगे, पिछले कई सालों से किसान सड़कों पर हैं, वे एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं लेकिन विधेयक नहीं आ रहा है. इस देश के युवा बेरोजगार और हताश हैं. इसलिए, देश को देश के युवाओं के लिए बड़े बदलाव के लिए कानून की उम्मीद थी.उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसा नहीं हुआष्ठआप देख सकते हैं कि इस सरकार ने किस कानून को प्राथमिकता दी है. इसका एक ही एजेंडा है – भारत माता को धर्म के नाम पर बांटना है.केसी गोपाल ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे पर अनुराग ठाकुर का बयान बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है, यह जमीनी स्तर से आने वाले व्यक्तित्व को बदनाम करने के लिए है. उन्होंने कहा किअपमान न करें, संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए आरोपों का इस्तेमाल न करें.उन्होंने कहा कि इस देश के युवा हताश हैं, उनके लिए कानून नहीं आ रहा है, धर्म के नाम पर भारत माता को विभाजित करने के लिए कानून आ रहा है. रिजिजू जी, आपको खुद पर पछतावा है कि आप वक्फ बोर्ड के साथ भेदभाव (शेष पृष्ठ ३ पर)

अगर स्वेच्छा से इस्लाम में धर्म परिवर्तन हो, तभी मान्य है: इलाहाबाद हाईकोर्ट

नई दिल्ली-
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा इस्लाम धर्म अपनाना तभी सही माना जा सकता है, जब वह बालिग हो और मानसिक रूप से स्वस्थ हो. साथ ही वह अपनी मर्जी से इस्लाम धर्म स्वीकार करे और जब व्यक्ति को 'ईश्वर (अल्लाह) एक है' में विश्वास हो और वो मोहम्मद साहब को पैगंबर के रूप में स्वीकार करे. रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायालय ने यह भी कहा कि कोई भी धर्म परिवर्तन तभी प्रामाणिक माना जाता है, जब व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हुआ हो और उसकी आस्था अपने मूल धर्म से कहीं अधिक नए धर्म में हो. मालूम हो कि जस्टिस मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने तौफीक अहमद द्वारा दायर एक याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की. इसमें दोनों पक्षों के बीच समझौते के आधार पर आईपीसी की धारा ४२०, ३२३, ३७६, ३४४ और यूपी धर्मांतरण रोकथाम अधिनियम, २०२० की धारा ३/१(१) के तहत पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी. इस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि गैरकानूनी धर्मांतरण एक गंभीर अपराध है, और अदालत पक्षों के बीच समझौते के आधार पर कार्यवाही को रद्द नहीं कर सकती.अदालत ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि गैरकानूनी धर्मांतरण विशेष रूप से जब जबरदस्ती, धोखाधड़ी या अनुचित प्रभाव के माध्यम से किया जाता है, तब ये एक गंभीर अपराध बन जाता है, जिसमें अदालत पक्षों के बीच समझौते के आधार पर कार्यवाही को रद्द नहीं कर सकती है.'अदालत ने आगे कहा कि चूंकि, याचिका एक मुस्लिम लड़के द्वारा एक हिंदू लड़की के अवैध रूप से इस्लाम में धर्म परिवर्तन के संबंध में थी, जिन्होंने कथित तौर पर उन्हें बंदी बनाकर रखा और उनके साथ मारपीट की, इसलिए पीठ का मानना है कि यदि धर्म परिवर्तन धार्मिक भावना से प्रेरित नहीं है और अपने हित को साधने के लिए किया गया है, तो धर्म परिवर्तन सद्भावना नहीं होगा.इसके अलावा, यदि धर्मांतरण बिना धार्मिक भावना के, केवल किसी अधिकार के दावे, या विवाह से बचने के मकसद से या अल्लाह और मोहम्मद को मानने की आस्था के बिना किया गया है, तो धर्म परिवर्तन मान्य नहीं होगा.ज्ञात हो कि हाल के वर्षों में धर्म परिवर्तन एक बहुत बड़ा मुद्दा रहा है, जिसमें कथित 'जबरन धर्म परिवर्तन' के कई मामले सामने आए हैं.

ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जब धर्म परिवर्तन में शामिल दोनों पक्षों ने सहमति जताई थी, लेकिन हिंदुत्ववादी ताकतों ने जानकारी मिलने पर इसका हिंसक विरोध किया.इस संबंध में पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केवल आरक्षण नीति का लाभ उठाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' के समान है और ये 'इस नीति के सामाजिक प्रकृति को विफल करता है.'

वक्फ में कोई गैर मुसलमान सदस्य नहीं होगा, लोकसभा में बोले केंद्रीय गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली:
वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लोकसभा में अपनी बात रख रहे हैं. सदन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वक्फ एक अरबी शब्द है. एक प्रकार से इसकी आज की भाषा में व्याख्या करें तो ये एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोमेंट है. भारत का जहां तक सवाल है तो दिल्ली में सल्तनत काल के प्रारंभ में पहली बार वक्फ अस्तित्व में आया. बाद में चैरिटेबल प्रॉपर्टी एक्ट चला. आजादी के बाद १९५४ में बदलाव किया गया. इसके बाद आगे चलकर वक्फ बोर्ड बना. ये पूरा झगड़ा जो चल रहा है वो इसमें दखल करना का है. पहले तो वक्फ

में कोई गैर इस्लामिक सदस्य आएगा ही नहीं. लोकसभा में अमित शाह ने कहा कि वक्फ एक अरबी शब्द है. वक्फ का इतिहास कुछ हदीसों से जुड़ा हुआ मिलता है और आज कल जिस अर्थ में वक्फ का प्रयोग किया जाता है, इसका अर्थ है अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान. पवित्र धार्मिक उद्देश्यों के लिए संपत्ति का दान. वक्फ का समकालीन अर्थ, इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय स्तित्व में आया. एक प्रकार से आज की भाषा में व्याख्या करें तो वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल इनरोलमेंट है.उन्होंने आगे कहा कि जहां एक व्यक्ति संपत्ति, भूमि धार्मिक और सामाजिक भलाई के लिए दान करता है, बिना उसको वापिस लेने के उद्देश्य से. इसमें जो दान देता है उसका बहुत महत्व है. दान उस चीज का ही किया जा सकता है (शेष पृष्ठ ३ पर)

साजिश के साथ लाया गया वक्फ बिल मुस्लिम लॉ बोर्ड ने दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली-
वक्फ (संशोधन) बिल, २०२४ विधेयक आज यानी बुधवार को लोकसभा में पेश किया जाएगा. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बिल का विरोध कर रहा है. बोर्ड के महासचिव अब्दुल रहीम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ये बिल पहले से ज्यादा आपत्तिजनक हो गया है. इसे एक प्लानिंग के साथ लाया गया है. ५ करोड़ विरोध में ईमेल आए. किसी पर भी विचार नहीं किया गया. अब्दुल रहीम ने बुधवार को कहा, आज वक्फ बिल संसद में पेश किया जा रहा है. एक प्लानिंग के साथ ये बिल लाया गया है. जेपीसी ने भी विरोध दर्ज किया. विरोध में ५ करोड़ ईमेल आए. किसी पर भी विचार नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि अब ये बिल पहले से ज्यादा आपत्तिजनक हो गया है. अब ण्ढ्ढिके पद पर मुसलमान नहीं होगा. वक्फ का इंतजाम अब मुस्लिमों के हाथों से लेकर सरकार के हाथों सौंप दिया गया है. लॉ बोर्ड ने ये भी कहा कि अगर बिल पार्लियामेंट में पास हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे. देशव्यापी शांतिपूर्ण आंदोलन चलाएंगे. इससे पहले (शेष पृष्ठ ३ पर)

अग्रलेख

आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने की बडी बात

महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगज़ेब की कब्र के इर्द-गिर्द चल रहे विवाद के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भाजपा और उसके घटक दलों के नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं. इसी कड़ी में आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने कहा है कि औरंगज़ेब की कब्र का मुद्दा अकारण ही उठाया गया. औरंगज़ेब की कब्र के मुद्दे को लेकर फैली अशांति पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के बयान को लेकर संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए वरिष्ठ आरएसएस नेता ने सोमवार (३१ मार्च) को कहा, 'औरंगज़ेब का विषय अनावश्यक उठाया गया है. उसकी मृत्यु यहां (भारत) हुई है तो कब्र भी यहीं बनी हुई है. और जिनकी श्रद्धा है वे उस कब्र पर जाएंगे.'उन्होंने शिवाजी का उदाहरण देते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे आदर्श हैं, और उन्होंने अफ़ज़ल खान की कब्र यहां बनवाई थी. यह भारत की उदारता और समग्रता का प्रतीक है. 'वह कब्र (औरंगज़ेब की) रहे, जिसको वहां जाना है वो जाए,' वह कहते हैं. मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित संभाजी नगर में मुगल सम्राट औरंगजेब की कब्र को हटाने की हिंदुत्व समूहों की मांग ने पूरे महाराष्ट्र में सांप्रदायिक तनाव को जन्म दे दिया है. पिछले महीने नागपुर में हिंसा तब भड़क उठी थी, जब पूरे राज्य में अपुष्ट खबरें फैलीं, जिसमें दावा किया गया कि कट्टरपंथी हिंदुत्व समूहों विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदुत्ववादी उपद्रवियों द्वारा पाक़ 'कलमा' लिखे कपड़े को जला दिया गया है.बता दें कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा था कि 'छावा फिल्म को देखकर जागने वाले हिंदुओं से कोई फायदा नहीं है. यह शर्मनाक है कि इस फिल्म से पहले कई लोगों को छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान के बारे में पता ही नहीं था. लोगों को किताबें पढ़नी चाहिए और इतिहास जानने के लिए वॉट्सऐप पर निर्भर नहीं रहना चाहिए.'राज ठाकरे ने यह भी कहा था कि 'कुछ लोग औरंगज़ेब की कब्र के नाम पर केवल राजनीति कर रहे हैं.'केंद्रीय मंत्री बोले – 'औरंगज़ेब की मृत्यु तो १७०७ में हुई, तो उसकी कब्र को अभी क्यों हटाना?' इसी बीच, एनडीए के सहयोगी दल, भारतीय रिपब्लिक पार्टी (अठावले) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का बयान सामने आया है.इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'औरंगज़ेब की मृत्यु तो १७०७ में ही हो गई थी, तो उसके कब्र को अभी क्यों हटाना?' वह कहते हैं, 'औरंगजेब की मृत्यु १७०७ में हुई थी. पिछले ३०० सालों में उसकी कब्र को हटाने का मुद्दा नहीं उठाया गया. यह मुद्दा तब उठाया जा रहा है जब छत्रपति संभाजी महाराज पर फिल्म बनी.' अठावले कहते हैं, 'मैं एनडीए और मोदी जी के साथ हूं.. क्योंकि मुझे उनकी नीतियां पसंद है, लेकिन मुझे लगता है कि औरंगजेब की कब्र हटाने से कुछ नहीं होगा. इसे नहीं हटाया जाना चाहिए.'उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमानों को खुद को उस कब्र से अलग रखना चाहिए और हिंदुओं को उसे हटाने की मांग नहीं करनी चाहिए.. यह कब्र एएसआई द्वारा संरक्षित है. केंद्रीय मंत्री आगे कहते हैं कि हिंदू मुसलमान के बीच का झगड़ा देश के लिए अच्छा नहीं हैं, सभी को विकास पर केंद्रित रहना चाहिए. वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार (३१ मार्च) को कहा था कि छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद) में मुगल बादशाह औरंगजेब का मकबरा एक संरक्षित स्मारक है और इसे हटाया नहीं जा सकता, लेकिन राज्य में इसका महिमामंडन नहीं होने दिया जाएगा.

यह समाचार पत्र मालक, प्रकाशक **सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन**, इन्होने मुद्रक - औरंगज़ेब हुसेन सज्जाद हुसेन, मुद्रण स्थल- **हुसेनी प्रिंटींग प्रेस,** हुसेनी कॉम्प्लेक्स, वाशिम बायपास, अकोला ता.जि. अकोला (महाराष्ट्र) यहा छापकर ऑफीस : **दैनिक सुफ्फा,** जनता भाजी बाज़ार, अकोला जि. अकोला यहां से प्रकाशित किया. **संपादक : सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन** प्रकाशित लेख और खबरों से संपादक सहमत है ऐसा नही. (पी.आर.बी.ॲक्ट के अनुसार संपादक उत्तरदायी होंगे) सभी प्रकरण अकोला न्यायालय के अंतर्गत रहेंगे.

ईरान और अमेरिका के शस्त्रागार में कितनी विनाशक मिसाइलें, युद्ध हुआ तो इस्लामिक देश कब तक कर पाएगा सुपरपावर का मुकाबला? जानिए

तेहरान:

ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिका के किसी भी हमले का जवाब देने के लिए अपने सभी लांचर लोड कर लिए हैं। दावा किया गया है कि ईरान हमला करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरानी मीडिया का ये दावा तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अल्टीमेटम दे रखा है कि अगर ईरान न्यूक्लियर डील के लिए तैयार नहीं होता है तो उसके परमाणु स्थलों पर हमले किए जाएंगे। अमेरिका ने हमला करने के लिए अपने B-2 परमाणु बॉम्बर को ब्रिटिश नियंत्रण वाले डिएगो गार्सिया आईलैंड पर भेज दिया है। जिसके बाद ईरान की तरफ से कहा गया है कि अगर ईरान पर हमला होता है तो वो इस आईलैंड पर भी हमला करेगा। तेहरान टाइम्स ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि 'तेहरान टाइम्स को मिली जानकारी से पता चलता है कि ईरान की मिसाइलें, सभी भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड हो चुकी हैं और लॉन्च के लिए तैयार हैं। भानुमती का पिटारा खोलने से अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।' इसके अलावा ईरान ऑब्जर्वर की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी अधिकारियों ने भूमिगत बंकरों को दिखाने वाले कई वीडियो जारी किए हैं, जिससे ईरान ने अमेरिका को अपनी मिसाइल शक्ति का संदेश देने की कोशिश की है। ईरान ने वीडियो में खेबर शेकन मिसाइल (९०० मील की रेंज), हज कासिम (८५० मील), गदर-एच (१,२४० मील), सेज्जिल (१,५५० मील) और इमाद (१,०५० मील) जैसे मिसाइलों का जखीरा दिखाया है। यानि ईरान और अमेरिका के बीच स्थिति काफी तनावपूर्ण है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि दोनों देशों के पास कितनी मिसाइल ताकत है? अमेरिकी स्ट्रैटजिक कमांड ने चेतावनी दे रखी है कि ईरान के पास अब मध्य पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार है। यूनाइटेड स्टेट्स स्ट्रेटेजिक कमांड के २०२५ के कांग्रेसनल पोस्चर स्टेटमेंट में कहा गया है कि ईरान परमाणु बम तो बना ही रहा है, लेकिन इसके साथ साथ अब मिडिल ईस्ट में सबसे ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें हो गई हैं। साल २०२२ में यूएस सेंट्रल कमांड के जनरल केनेथ मैकेंजी ने कहा था कि ईरान के पास ३,००० से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का शस्त्रागार है। इसके अलावा पिछले १० सालों में ईरान ने अपनी मिसाइलों की मारक क्षमता को काफी तेजी से बढ़ाया है। ईरान ने गाइडेड मिसाइलों की संख्या को बढ़ाया है।

गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा इजरायल! फिलिस्तीनियों को घर खाली करने का आदेश, IDF ने उतारे टैंक

तेल अवीव:

इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज़ ने बुधवार को गाजा में सैन्य अभियान के बड़े विस्तार की घोषणा की। इस अभियान के दौरान गाजा के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने की योजना है, ताकि उन्हें इजरायल के सुरक्षा क्षेत्रों में शामिल किया जा सके। बयान में, कैट्ज़ ने कहा कि अभियान में 'युद्ध क्षेत्रों से गाजा की आबादी को बड़े पैमाने पर निकालना' भी शामिल होगा। हालांकि उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। बयान के अनुसार, सैन्य अभियान का विस्तार 'आतंकवादियों और आतंकी ढांचे के क्षेत्र को कुचलने और साफ करने के लिए किया जाएगा, जबकि बड़े क्षेत्रों पर कब्जा किया जा सके।'मंगलवार देर रात अरबी मीडिया के लिए इजरायली सेना के प्रवक्ता ने गाजा के दक्षिणी राफा क्षेत्र के निवासियों को अपने घर छोड़ने और उत्तर की ओर जाने का आदेश दिया। सीएनएन ने पिछले महीने ही बताया था कि इजरायल गाजा में एक बड़े जमीनी हमले की योजना बना रहा है, जिसमें एन्क्लेव के एक बड़े हिस्से को साफ करने और उस पर कब्जा करने के लिए हजारों सैनिकों को युद्ध में भेजना शामिल होगा।बुधवार को कैट्ज के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि गाजा पट्टी के इस विस्तारित अभियान में अतिरिक्त इजरायली सैनिक शामिल होंगे या नहीं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इजरायल ने गाजा पट्टी पर हवाई बमबारी जारी रखी है। नासेर अस्पताल और खान यूनिस में यूरोपीय अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, दक्षिणी गाजा में रात भर इजरायली हमलों में कम से कम १७ लोग मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं।

नासेर अस्पताल के अनुसार, मारे गए लोगों में कम से कम १३ लोग - जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मरने वाले लोग राफा क्षेत्र से विस्थापित होने के बाद एक आवासीय घर में शरण लिए हुए थे। अल अवदा अस्पताल के अनुसार, दो लोग मध्य गाजा में एक अलग हमले में मारे गए। इजरायल ने दो सप्ताह पहले गाजा पर अपना आक्रमण फिर से शुरू किया, जिससे हमास के साथ दो महीने पुराना युद्धविराम टूट गया। इजरायल ने पहले से ही गाजा में मानवीय सहायता की पूरी नाकाबंदी कर दी थी।

इजरायल ने चेतावनी दी कि उसके सैनिक गाजा के कुछ हिस्सों में तब तक स्थायी रूप से मौजूद रहेंगे जब तक कि शेष २४ बंधकों की रिहाई नहीं हो जाती, जिनके बारे में माना जाता है कि वे अभी भी जीवित हैं। तब से एन्क्लेव में सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि गाजा पट्टी में खाद्य आपूर्ति समाप्त हो रही है।

इजरायली सेना के नये चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर के नेतृत्व में इजराइली सेना पिछले कई सप्ताह से गाजा में बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बना रही है। इस तरह के निर्णय से इजराइली सेना इस क्षेत्र पर कब्जा कर सकती है और वर्षों तक विद्रोहियों से लड़ सकती है। लेकिन गाजा में लंबे समय तक आक्रमण करने से इजराइली जनता का कड़ा प्रतिरोध भी हो सकता है, जिनमें से अधिकांश लोग युद्ध की वापसी के बजाय बंधकों की रिहाई के लिए समझौते की मांग कर रहे हैं।

विदेश की जेलों में १०,००० से अधिक भारतीय बंद, सबसे अधिक सऊदी अरब में: सरकार

नई दिल्ली:

विदेश मंत्रालय ने संसदीय पैनल को सूचित किया है कि वर्तमान में ८६ देशों की जेलों में १०,१५२ भारतीय कैद हैं. विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति की मंगलवार (१ अप्रैल) को जारी छठी रिपोर्ट के अनुसार, चीन, कुवैत, नेपाल, कतर, सऊदी अरब और यूएई सहित १२ देश ऐसे हैं, जहां भारतीय कैदियों की संख्या १०० से अधिक है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों सदनों में पेश की गई रिपोर्ट में बताया गया कि सऊदी अरब और यूएई में विचाराधीन कैदियों सहित सबसे ज़्यादा भारतीय जेलों में बंद हैं. यह संख्या २,००० से अधिक है.वहीं, बहरीन, कुवैत और कतर जैसे दूसरे खाड़ी देशों में भी बड़ी संख्या में भारतीय जेलों में बंद हैं. इन देशों में भारी संख्या में ब्लू कॉलर भारतीय कामगार रहते हैं. इसके अलावा नेपाल में इस समय १,३१७ भारतीय जबकि मलेशिया में ३३८ भारतीय नागरिक जेलों में बंद हैं. चीन की जेलों में भी १७३ भारतीय कैद हैं. इस रिपोर्ट में एनआरआई, पीआईओ, ओसीआई और प्रवासी श्रमिकों सहित विदेशों में बसे भारतीय समुदाय पर चर्चा की गई है. रिपोर्ट के अनुसार, इन १२ देशों में से नौ देश पहले से ही सजा दे दिए गए कैदियों के स्थानांतरण पर मौजूदा समझौतों के अंतर्गत आते हैं. इन समझौतों के तहत किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए व्यक्ति को जेल की सजा काटने के लिए उसके गृह देश में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाती है. हालांकि, इसके बावजूद पिछले तीन वर्षों में केवल आठ कैदियों को भारत की जेल में वापस लाया जा सका है, जिसमें ईरान और यूनाइटेड किंगडम से तीन-तीन, तथा कंबोडिया और रूस से दो कैदी शामिल हैं.विदेश मंत्रालय के अनुसार, 'इस समझौते के तहत कैदियों के स्थानांतरण के लिए कैदी, मेज़बान देश और स्थानांतरित करने वाले देश की सहमति आवश्यक है. गृह मंत्रालय इस समझौते के तहत कैदियों के स्थानांतरण की देखरेख करने वाला नोडल प्राधिकरण है और वर्तमान में कई मामलों पर कार्रवाई कर रहा है.'मंत्रालय ने बताया, 'इन मामलों में प्रक्रिया के कई चरण शामिल होते हैं, इनमें स्थानांतरित करने वाले देश की सहमति प्राप्त करना, आवश्यक दस्तावेज़ों को उपलब्ध कराना, संबंधित राज्य सरकार की टिप्पणियां प्राप्त करना, उस विशिष्ट जेल की पहचान करना जहां कैदी को रखा जाना है, और विदेशी देश से भारत में स्थानांतरण के लिए संबंधित राज्य सरकार द्वारा अनुरक्षण व्यवस्था करना शामिल है.'विदेश मंत्रालय ने पैनल को बताया कि ऐसे अनुरोधों को पूरा करने के लिए कोई सख्त समयसीमा तय नहीं की जा सकती.कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा इन कैदियों की रिहाई के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछे जाने पर मंत्रालय ने कहा कि विदेशी जेलों में बंद भारतीय नागरिकों की रिहाई और स्वदेश वापसी के मुद्दे पर विदेश स्थित भारतीय मिशन संबंधित स्थानीय प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से बातचीत करते हैं.मंत्रालय ने पैनल को बताया कि विदेश में बंद कैदियों में से कई विचाराधीन कैदी होते हैं, इसलिए विदेशों में कैद भारतीयों को भारतीय मिशन ज़रूरत पड़ने पर कानूनी सहायता प्रदान करते हैं. मिशन और पोस्ट वकीलों का एक स्थानीय पैनल भी रखते हैं. उन्होंने कहा, 'संबंधित भारतीय दूतावास द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए किसी भी भारतीय कैदी से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है.'

पुणे कॉलेज के प्रोफेसर, मगर मस्जिद में ११ साल से बिना पेमेंट के इमामत!

पुणे की रोशन मस्जिद के ईमाम हाफिज गुलाम अहमद के कार्य सराहनीय,सभी स्तर से हो रही सराहना

पुणे कॉलेज के प्रोफेसर, सीरत कमेटी के अध्यक्ष और रोशन मस्जिद के इमाम, हाफिज़ गुलाम अहमद खान कादरी ने रमज़ान के इस मुबारक महीने में अपनी २५वीं तरावीह पूरी कर ली। इस दौरान, वे एचएससी बोर्ड के एग्जाम पेपर का मॉडरेशन करने और नई एजुकेशन पॉलिसी की ट्रेनिंग में भी व्यस्त रहे।

२००१ में पहला कदम – दादा की मौजूदगी में पहली तरावीह साल २००१ में, जब उन्होंने अपनी तालीम मुकम्मल की, तो पहली बार अपने शहर मनमाड़ की जामा मस्जिद में तरावीह पढ़ाई। उनके लिए यह सम्मान की बात थी कि उस समय उनके दादा जीवित थे। इसके बाद, उन्होंने कई मस्जिदों में तरावीह पढ़ाई। ग्रेजुएशन के बाद, जब उन्होंने औरंगाबाद से बीएड किया, तब भी यह सिलसिला जारी रहा। बीएड करने के बाद, वे अपने शहर लौटे और कुछ वर्षों तक वहीं तरावीह पढ़ाई।

पुणे की ओर रुख – नई ज़िम्मेदारियाँ और तरावीह का सफर जारी

साल २००९ में, वे पुणे आए और २०१० में पहली बार रोशन मस्जिद में तरावीह पढ़ाई। २०११ में, उन्हें पुणे कॉलेज में उर्दू शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। साथ ही, वे सीरत कमेटी के अध्यक्ष के रूप में भी कई धार्मिक सेवाएँ अंजाम देते रहे। इस साल, रमज़ान १४४६ हिजरी (२०२५) में उन्होंने अपनी २५वीं तरावीह मुकम्मल की, जबकि रमज़ान के दौरान वे बेहद व्यस्त रहे।

शिक्षा और इबादत – दोनों का संतुलन

वे एचएससी बोर्ड के चीफ़ मॉडरेटर के रूप में परीक्षा पत्रों की समीक्षा कर रहे थे और नई शिक्षा नीति के तहत दिल्ली से आए ट्रेनर की देखरेख में ट्रेनिंग भी ले रहे थे।

पुणे के प्रसिद्ध शैक्षणिक केंद्र यशदा में, रमज़ान के दौरान, उन्होंने ५ दिन की ट्रेनिंग पूरी की, जिसमें महाराष्ट्र के ९ बोर्डों के विशेषज्ञ शिक्षक शामिल थे।

फी सबीलिल्लाह – ११ साल से बिना पेमेंट के इमामत

जब से हाफिज़ गुलाम अहमद खान कादरी पुणे कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर स्थायी (परमानेंट) हुए हैं, तब से उन्होंने रोशन मस्जिद की इमामत 'फी सबीलिल्लाह' कर दी है, यानी वे बिना किसी पारिश्रमिक (पेमेंट) के पिछले ११ वर्षों से यह सेवा निभा रहे हैं। उनका कहना है कि वह यह काम आगे भी पूरी निष्ठा और लगन के साथ 'फी सबीलिल्लाह' जारी रखेंगे।

शानदार स्वागत – रोशन मस्जिद में हाफिज़ साहब का सम्मान

२७ मार्च, गुरुवार, रमज़ान की २७वीं रात, रोशन मस्जिद जमात-ए-मुस्लिमीन की तरफ से उनका शानदार स्वागत किया गया। कई संगठनों और व्यक्तियों ने उन्हें मुबारकबाद दी, गुलदस्ते और तोहफे पेश किए।रोशन मस्जिद में आयोजित यह भव्य कार्यक्रम हजारों लोगों की मौजूदगी में बेहद खूबसूरत माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें कई अन्य उलेमा की गुलपोशी के साथ समापन किया गया।

आपने अभी तक हल्दी के फायदों के बारे में सुना होगा और हल्दी को आजमाया भी होगा, लेकिन इसके नुकसान के बारे में आपने नहीं सुना होगा। अगर आप वाकई नहीं जानते हल्दी के ये नुकसान, तो जरूर जान लीजिए। ताकि आप न बनें इनके शिकार...

◆ हल्दी की तासीर बहुत गर्म होती है, इसलिए ही इसे सर्दी जुकाम में दवा के तौर पर प्रयोग किया जाता है। लेकिन अगर आपकी तासीर गर्म है तो इसका इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए। खास तौर से गर्मी के मौसम में।

◆पीलिया होने पर, पित्ताशय की पथरी या पित्त की रुकावट होने पर हल्दी उतनी ही घातक हो सकती है लितनी यह फायदेमंद है।

◆ जिन्हें खून की बीमारी है और रक्तस्राव का खतरा हो, उनके लिए हल्दी नुकसानदायक है। क्योंकि यह रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देती है।

◆शुगर के मरीजों को हल्दी का प्रयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। ज्यादा मात्रा में इसका सेवन ब्लड शुगर को बहुत कम कर देता है।

◆ गर्भवती महिलाएं को हल्दी के ज्यादा सेवन से बचना चाहिए। सीमित मात्रा में यह फायदेमंद है लेकिन मात्रा ज्यादा हो जाए तो इससे गर्भपात का खतरा बना रहता है।

◆हल्दी टेस्टोस्टेरोन के स्तर को कम करने के साथ ही शुक्राणुओं की संख्या में कमी करती है। इसलिए बहुत सीमित मात्रा में ही इसका प्रयोग करें ।

◆ हल्दी का अधिक सेवन पेट की गर्मी, चक्कर आना, मतली, दस्त लग जाना जैसी समस्या पैदा कर सकता है।

लहसुन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, यह तो आप जानते ही हैं, लेकिन आप यह नहीं जानते कि अंकुरित लहसुन आपके लिए बेहद फायदेमंद होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह अंकुरित लहसुन कितना फायदेमंद है, जानने के लिए पढ़ें यह ५ फायदे -

◆ अंकुरित लहसुन का सेवन दिल के लिए फायदेमंद है। यह रक्त के निर्बाध संचार और हृदय तक रक्त के आसानी से संचारित होने में मददगार होता है।

◆ यह आपकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, और कई तरह की बीमारियों से आपकी रक्षा करता है।

◆ एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह आपको तनाव रहित रखने में मदगार है साथ ही आपकी त्वचा को झुर्रियों से बचाकर आपको जवां बनाए रखने में भी सहायक है।

◆ ब्लडप्रेशर को नियंत्रीत रखने के लिए अंकुरित लहसुन बेहद फायदेमंद होता है। इसकि नियमित सेवन से ब्लडप्रेशर संबंधी समस्या से आसानी से बचा जा सकता है।

◆ इसमें फाइटोन्यूट्रीएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से भी आपको बचाए रखने में सक्षम है। यह कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकता है।

क्या आपको सब्जियों में शिमला मिर्च पसंद नहीं है। अगर हां, तो इसके बेमिसाल सेहत फायदे जानने के बाद आप इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल कर लेंगे, क्योंकि ये कई तरह की सेहत समस्याओं में फायदेमंद होती है। आइए, जानते हैं कि शिमला मिर्च के सेवन से किन समस्याओं में राहत मिल सकती है -

◆ ताजी हरी शिमला मिर्च में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फाइबर, कैरोटीनॉइड्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है।

◆ अगर आपके घुटनों व जोड़ों में समस्या है, तो शिमला मिर्च का सेवन करना आपके लिए बेहद लाभकारी होगा। इसके प्रयोग से आर्थराइटिस की समस्या में भी लाभ पाया जा सकता है।

◆ शिमला मिर्च में एंटी ऑक्सीडेंट, एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व एवं सल्फर, कैरोटीनॉइड लाइकोपीन की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसके कारण यह कैंसर जैसी बीमारी से बचने में भी लाभकारी है।

◆ अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसका सेवन बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन सी आयरन को सोखने में मददगार है। यह आपको एनीमिया से बचाने में भी सहायक होगा।

◆डाइबिटीज कंट्रोल करना चाहते हैं, तब भी शिमला मिर्च आपके लिए मददगार साबित होगी। यह ब्लड शुगर के लिए आवश्यक सही स्तर को बनाए रखती है और डाइबिटीज से आपकी रक्षा करती है।

आमतौर पर सभी जानते है कि फलों के सेवन से सेहत को कई लाभ होते हैं। लेकिन हम आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अगर आपने किसी दूसरे फल के साथ मिक्स करके खा लिया, तो ये आपकी सेहत को फायदा पहुंचाने के जगह नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं ऐसे ही फलों के बारे में जिन्हें साथ में भूलकर भी नहीं खाना चाहिए -

संतरा और गाजर -

वैसे तो संतरा और गाजर का मिक्स जूस बाजार में कई जगह आपको पीने को मिल सकता है और पसंद भी किया जाता है। लेकिन यह मेल सेहत के लिए अमृत नहीं जहर का काम करता है। इसका सेवन करने पर शुरुआती समस्याओं में आप सीने में जलन महसूस कर सकते हैं और पित्त की अधिकता भी हो सकती है। इतना ही नहीं यह आपके गुर्दों को भी क्षतिग्रस्त करता है, जिसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अमरूद और केला - अमरूद और केला, ये दोनों ही फल गैस और अमृरक्तता बढ़ाने का काम करते हैं, जिनका एक साथ सेवन करने पर आप कुछ अजीब भारीपन, अरूचिकर महसूस करते हैं और सिरदर्द एवं पेटदर्द भी महसूस कर सकते हैं।

दूध और अनानास - दूध और अनानास को एक साथ मिक्स न करें ना ही एक समय में दोनों का सेवन करें। इसमें ब्रोमेलेन की उपस्थिति शरीर में नशा या आलस पैदा करती है और आपको गैस, जी मिचलाना, सिरदर्द, पेटदर्द के अलावा इंफेक्शन या डायरिया भी हो सकता है।

नींबू और पपीता - अगर आप स्वाद के लिए पपीते पर नींबू निचोड़कर खाते हैं, तो यह आपको एनीमिया का मरीज बना सकता है। इतना ही नहीं, यह हीमोग्लोबिन संबंधी समस्या भी पैदा कर सकता है। किसी भी कीमत पर इसका प्रयोग न करें। खास तौर से बच्चों के लिए यह बेहद खतरनाक है।

दूध और संतरा - अगर आप दूध से तैयार किए गए आहार या फिर दूध के साथ आरेंज जूस का सेवन करते हैं तो रुक जाइए, यह खतरनाक हो सकता है। इन दोनों का मिश्रण पाचन में तो समस्या पैदा करेगा ही, ओट्स या दलिया के साथ इसका सेवन, आहार में उपस्थित स्टार्च को भी निष्क्रिय कर देता है।

फल और सब्जियां - फलों और सब्जियों का एक साथ सेवन हमेशा नुकसानदायक होता है। फलों में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, लेकिन सब्जी यों में ऐसा नहीं होता। दोनों का एक साथ सेवन करने पर फल जो जल्दी पच जाते हैं, लेकिन सब्जियों की प्रक्रिया तब तक अधूरी होती है, जब तक फल पूरी तरी पच न जाए। ऐसे में पेट संबंधी कई समस्या जन्म ले सकती हैं जैसे पेटदर्द, इंफेक्शन,सिरदर्द आदि।

केला और पुडिंग - यह मिश्रण पेट में भारीपन पैदा करता है और दिमाग की सक्रियता को कम करने के साथ ही विषैले तत्वों के निर्माण को बढ़ाता है।

अधिकतर घरों में फ्रिज किचन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। अक्सर हम कई खाद्य पदार्थों को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में स्टोर कर लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी चीजें भी है जिन्हें फ्रिज में रखने की खास जरूरत नहीं होती। लेकिन फिर भी हम उन्हें फ्रिज में रखकर उनके स्वाद और पौष्टिकता को कम कर देते हैं। आइए, जानते हैं ऐसी ही खाने की चीजों के बारे में जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए -

◆ **खरबूज :** एक शोध में पाया गया है कि सामान्य रूम टेम्प्रेचर में रखे खरबूज में अधिक पोषक तत्व होते है। जबकि अगर इन्हें फ्रिज में रख दिया जाए तो इनकी पौष्टिकता में कमी आ जाती है। हांलाकी कटे को हुए खरबूज को ढंककर फ्रिज में रखा जा सकता है।

◆**ब्रेड :** ब्रेड को फ्रिज में रखने पर वो सुख जाती है, लेकिन अगर इन्हें फ्रिज में रखे भी तो कोशिश करें कि १-२ दिनों में ही इस्तेमाल कर लें।

◆ **आलू :** एक एजेंसी के अनुसार आलू को भूलकर भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। फ्रिज का तापमान आलू के स्टार्च को ब्रेक कर देता है, जिससे आलू मीठा हो जाता हैं। साथ ही फ्रिज में रखे आलू को पकाने पर एक्रायलामाइट नामक हानिकारक केमिकल रिलीज होता है। जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

◆**टमाटर :** टमाटर को फ्रिज में रखने से इसकी बाहरी परत क्षतिग्रस्त होती है साथ ही इसके स्वाद में कमी आ जाती है। अगर टमाटर ज्यादा पके हुए हो जिन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत पड़े, तो कोशिश करें कि उन्हें भी २-३ के अंदर इस्तेमाल कर लें।

◆**केचप व सॉस :** इन्हें बनाते हुए इनमें प्रिजर्वेटिव्स डाले जाते है इसलिए इन्हें खोलने के बाद भी फ्रिज में रखने की आवश्यकता नहीं होती।

◆ **शहद :** यह एक प्राकृतिक प्रिजर्वेटिव होता है जो सामान्य तापमान पर रखे होने पर खराब नहीं होता।

आमतौर पर लोगों को चाय, कॉफी, सूप, शेक आदि पीना पसंद होता है। पानी पीना सभी को केवल जरूरत भर होती है, आपने शायद ही किसी को ये कहते सुना हो कि उन्हें ड्रिंक्स में पानी सबसे ज्यादा पसंद है। लेकिन अब जो फायदे हम आपको बताने जा रहे हैं, उन्हें जानने के बाद आप शौक से खूब पानी पिएंगे और आपका पसंदीदा ड्रिंक भी पानी होगा -

ओवर ईटिंग से बचना चाहते है?
तो खूब सारा पानी पीएं

◆ पहली बात तो यह, कि पानी पीने का एक सबसे अच्छा फायदा आप सभी जानते ही होंगे कि सिर्फ पानी पीने से आप न केवल अपना वजन तेजी से घटा सकते हैं, लेकिन आप यह नहीं जानते कि सिर्फ ९ दिनों में आप यह कमाल कर सकते हैं। आप इतना वजन घटा सकते हैं, जितनी कैलोरी रोजाना ८ किमी की जॉगिंग के बाद कम होती है।

◆आपका मेटाबॉलिज्म तेज होगा और ऊर्जा का स्तर भी आश्चर्यजनक रूप से बढ़ेगा जिससे आप चुस्त फुर्तीले रह सकेंगे। सुबह के वक्त पानी की अच्छी मात्रा आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है।

◆ आपका दिमाग बेहतर तरीके से काम करेगा और आप मस्तिष्क की ऊर्जा और क्षमताओं को बढ़ता हुआ महसूस करेंगे। क्योंकि मस्तिष्क का ७५ से ८५ प्रतिशत भाग में पानी होता है। अत: आप अधिक से अधिक पानी पीकर उसे शक्ति प्रदान करते हैं और अपनी एकाग्रता को बढ़ाते हैं।

◆ आप कम खाते हैं, अर्थात ओवर ईटिंग से बच जाते हैं और पानी के कारण पेट भरा हुआ लगता है, जो आपको ज्यादा न खाने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार आप अपना वजन भी आसानी से कम कर सकते हैं।

◆ जब शरीर में पानी का स्तर बेहतर होता है, तो तरलता के कारण आपका शरीर हानिकारक, विषैले तत्वों को आसानी से शरीर से बाहर कर पाता है और आपकी उम्र और स्वास्थ्य पर इसका असर नजर आता है।

६ पानी पीते रहना, कई प्रकार की बीमारियों से बचाए रखने का एक बढ़िया उपाय है। खास तौर से हाइपरटेंशन, किडनी संबंधी समस्याएं, मूत्राशय की बीमारियां और आंतों का कैंसर आदि की संभावना नहीं होती।

Name Change

I have changed my name from **MOHAMMED FAHIMUL HAQUE MOHAMMAD AZIZUL** TO **MOHAMMAD FAHIM UL HAQUE.**
Passport no: K677448
Address-
New qilla khidki pura old city Akola (M.S.)

(पृष्ठ १ पर से..)

जबलपुर: प्रिंसिपल के 'भगवान राम से जुड़े वॉट्सऐप स्टेटस'

यह विरोध उस वॉट्सऐप स्टेटस के खिलाफ था, जो वायरल हुआ. इसमें भगवान राम के खिलाफ टिप्पणी की गई थी. इस मामले में विहिप ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाई है. इस संबंध में मंगलवार (१ अप्रैल) को घटना के वीडियो सामने आए, जिसमें प्रदर्शनकारियों को पोस्टर फाड़ते, संपत्ति को नुकसान पहुंचाते और स्कूल की खिड़कियों को तोड़ते हुए देखा जा सकता है.प्रदर्शनकारियों ने स्कूल निदेशक से माफ़ी की मांग की और धमकी दी कि अगर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे. प्रदर्शनकारी करीब तीन घंटे तक स्कूल में रहे और पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद ही वे वहां से हटे.एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अख़बार को बताया, 'मामले की जांच चल रही है. हमने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है. यह सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी जांच चल रही है कि आरोपी व्यक्ति ने वास्तव में पोस्ट अपलोड किया था और यह कोई एआई इमेज नहीं थी. स्कूल प्रिंसिपल से जल्द ही पूछताछ की जाएगी. हमने शांति बनाए रखने के लिए यहां अतिरिक्त बल तैनात किया है.'मालूम हो कि स्कूल प्रशासन ने अभी तक प्रिंसिपल के खिलाफ आरोपों का जवाब नहीं दिया है.पुलिस ने बताया कि पोस्ट वायरल होने के बाद प्रदर्शनकारी स्कूल पहुंचे थे.पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि कार्यकर्ता स्कूल में कीचड़ से भरे बैग लेकर पहुंचे थे, जिसे उन्होंने पुलिस और स्कूल स्टाफ की मौजूदगी के बावजूद स्कूल परिसर में फेंक दिया. प्रदर्शनकारियों ने अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए स्कूल की दीवारों पर काला पेंट भी पोत दिया.

बीएसएनएल के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिलायंस जियो को 'बिल'

कैग के अनुसार, 'बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड (रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) को लागू करने में विफल रही और बीएसएनएल के साझा पैसिव इंफ्रास्ट्रक्चर पर इस्तेमाल की गई अतिरिक्त तकनीक के लिए बिल नहीं दिया, जिसके परिणामस्वरूप मई २०१४ से मार्च २०२४ के बीच सरकारी खजाने को १,७५७.७६ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और उस पर दंडात्मक ब्याज भी देना पड़ा.'कैग के बयान में यह कहा गया है कि बीएसएनएल द्वारा रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड के साथ एमएसए में निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन न करने के चलते बुनियादी ढांचे के इस्तेमाल शुल्क के रूप में २९ करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) के राजस्व का नुकसान हुआ.

सेक्युलर पार्टियां बिल के खिलाफ

और उनकी राजनीतिक मृत्यु निकट है.हांडी वाली मस्जिद के इमाम और युवा इस्लामी विद्वान मौलाना एजाज़ अहमद कश्मीरी ने कहा कि वक्फ की जमीनें किसी के बाप की जागीर नहीं हैं. यह हमारे पूर्वजों की संपत्ति है और इसकी रक्षा करना हमारा धार्मिक कर्तव्य है. इसके लिए हम हर प्रकार की कुर्बानी देने को तैयार हैं. मोदी सरकार एक तरफ तो ईद पर 'मोदी के नाम की राशन किट' बांट रही है. दूसरी तरफ मुसलमानों की संपत्तियों पर जबरन कब्जा करने के लिए कानून बना रही है. इससे साफ जाहिर है कि मोदी सरकार अंग्रेजों की तरह नीतियां अपना रही है. मौलाना मोहम्मद अब्बास रिज़वी ने भी सेक्युलर पार्टियों के नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि अगर वो संविधान को बचाना चाहते हैं तो मोदी सरकार के खिलाफ खड़ा होना होगा.

धर्म के नाम पर भाजपा देश को बांटना चाहती है.. केसी

क्यों कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह संविधान पर सीधा हमला है. वक्फ (संशोधन) विधेयक का उद्देश्य धर्म के नाम पर 'भारत माता को विभाजित करना' है.इससे पहले वक्फ संशोधन विधेयक पर हुई बहस में भाग लेते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह विधेयक नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है. इस उम्मीद में सशक्तिकरण, दक्षता और विकास है। इसे देखते हुए देश के लोग इसका समर्थन कर रहे हैं.उन्होंने कहा किकैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया, चर्च ऑफ भारत, केरल काउंसिल ऑफ चर्चेज और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल, ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जैसे कई संगठनों ने इसका समर्थन किया है.उन्होंने कहा कि वक्फ में संशोधन करने का समय आ गया है क्योंकि यह अत्याचार और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है. इसे खत्म करने और संशोधित करने का समय आ गया है. भारत को वक्फ के डर से मुक्ति चाहिए, क्योंकि कांग्रेस के शासन में बने वक्फ कानून का मतलब था 'खाता न बही, जो वक्फ कहे वही सही'ष्ठ'

वक्फ में कोई गैर मुसलमान सदस्य नहीं होगा,

जो हमारा है, सरकारी संपत्ति का दान मैं नहीं कर सकता, किसी और की संपत्ति का दान मैं नहीं कर सकता.विपक्ष की ओर से वक्फ को लेकर भ्रम खड़ा किया जा रहा, बोले शाह ये जो भ्रम पैदा किया किया जा रहा है कि ये एक्ट मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलापों और उनकी दान की हुई संपत्ति को दखल करने के लिए है. यह वोट बैंक खड़ा करने के लिए किया जा रहा है. ये भ्रम खड़ा किया जा रहा है कि सरकार मुस्लिम भाइयों के बीच और उनकी संपत्ति के बीच दखल देना चाहती है. ऐसा कुछ है ही नहीं. शाह ने कहा कि विपक्ष वोट बैंक की राजनीति कर रहा है. वक्फ बोर्ड धार्मिक कार्यो के लिए है. यूपीए सरकार ने सरकारी संपत्ति वक्फ को दिया. दिल्ली में वक्फ को सरकारी जमीन दी गई. तमिलनाडु में मंदिर की जमीन को वक्फ को दे दिया गया. पिछली सरकार ने १५०० साल पुरानी जमीन वक्फ के लिए दे दिया. संसद में केंद्रीय मंत्री ने लालू यादव के पूर्व में दिए गए बयान का भी जिक्र किया. जिसमें उन्होंने वक्फ बोर्ड में हो रही गड़बड़ी का मुद्दा उठाया था और कानून को कड़ा करने की मांग की थी.सबसे पहले, वक्फ में किसी भी गैर-मुस्लिम व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी.हमने धार्मिक संस्थाओं के प्रबंधन के लिए गैर-मुस्लिमों को नियुक्त करने का न तो कोई प्रावधान किया है और न ही ऐसा करने का इरादा है.वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड की स्थापना १९९५ में हुई थी.यह गलत धारणा है कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक गतिविधियों, दान की गई संपत्तियों में हस्तक्षेप करता है.अल्पसंख्यकों में डर पैदा करने, विशिष्ट मतदाता जनसांख्यिकी को खुश करने के लिए यह गलत सूचना फैलाई जा रही है.वोट बैंक के लिए हम कानून नहीं लाएंगे, वक्फ की संपत्ति के रखरखाव के लिए यह बिल लाया गया है.वक्फ का ऑडिट होगा, पारदर्शिता आएगी, हड़पी गई जमीन के लिए कोर्ट जा सकते हैं.भारत सरकार का कानून सबको मानना पड़ेगा.विपक्ष अल्पसंख्यक को भड़का रहा है.संसद का कानून है सबको मानना होगा.विपक्ष बिल को बता रहा असंवैधानिक दरअसल, वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर विपक्षी दल लामबंद हैं और वो बिल का विरोध कर रहे हैं. कांग्रेस का कहना है कि सरकार की नजर एक विशेष समुदाय की जमीन पर है. पार्टी नेताओं का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदायों को अपमानित करने और समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है.

साजिश के साथ लाया गया वक्फ बिल

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मंगलवार को बीजेपी के सहयोगी दलों समेत सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों और सांसदों से अपील की कि वे वक्फ विधेयक का कड़ा विरोध करें और किसी भी हालत में इसके पक्ष में मतदान न करें.उन्होंने एक बयान में कहा कि यह विधेयक न केवल भेदभाव और अन्याय पर आधारित है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद १४, २५ और २६ के तहत मौलिक अधिकारों के प्रावधानों के भी खिलाफ है. रहमानी ने आरोप लगाया कि विधेयक के जरिए बीजेपी का लक्ष्य वक्फ कानूनों को कमजोर करना और वक्फ संपत्तियों को जब्त करने और नष्ट करने का रास्ता तैयार करना है.उन्होंने कहा, उपासना स्थल अधिनियम के अस्तित्व में होने के बावजूद, हर मस्जिद में मंदिर खोजने का मुद्दा लगातार बढ़ रहा है. यदि यह संशोधन पारित हो जाता है, तो वक्फ संपत्तियों पर सरकारी और गैर-सरकारी नाजायज दावों में वृद्धि होगी, जिससे कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट के लिए उन्हें जब्त करना आसान हो जाएगा.

'मीठी ईद के जायके को कड़वा करना...'

इस बात की तारीफ अगर आपकी तरफ से कोई मुस्लिम महिला करती तो यकीन भी करते, लेकिन अफसोस आपकी लंबी कतार में कोई मुस्लिम महिला सांसद नजर नहीं आई। मैं खुद एक मुस्लिम महिला हूं, उस नाते से यह कहना चाहती हूं कि इस विधेयक के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं को कुछ नहीं मिल रहा, ये हमें कुछ नहीं देना चाहते। एक नैरेटिव बनाया जा रहा है। यह विधेयक मुस्लिमों की भलाई का नहीं

अकोला में जल्द ही अपर तहसील कार्यालय चालू होगा

साजिद पठान ने सदन मे उठाया था मुद्दा: सरकार को प्रस्ताव सौंपा गया ,आम जन के कार्य होंगे जल्द

अकोला तालुका में नगरपालिका सहित कुल २०३ गांव शामिल हैं। २०११ की जनगणना के अनुसार, अकोला तालुका की ग्रामीण जनसंख्या २,३३,७१८ है और नगरपालिका क्षेत्र में जनसंख्या ५,००,१३४ है। तहसील कार्यालय में संजय गांधी निराधार योजना विभाग ग्रामीण व शहरी दो क्षेत्रों का काम संभालता है, वहीं काफी हद तक चुनाव संबंधी कार्य भी संचालित होता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, किसानों और आम जनता को सहायता प्रदान करने के लिए बड़े पैमाने पर पंचनामा, डेटा प्रविष्टि, जांच और धन आवंटन सहित विभिन्न मामलों और कार्यों को युद्ध स्तर पर चलाया जाता है। परिणामस्वरूप, चूंकि ये सभी गतिविधियां एक ही तहसील कार्यालय के माध्यम से संचालित की जा रही हैं, इसलिए कार्य का दायरा बढ़ गया है और कार्य अधिक कुशल हो रहा है। परिणामस्वरूप, इन सभी कारकों पर विचार करते हुए, एक तारांकित प्रश्न उठाया गया है कि तहसील कार्यालय के साथ एक अपर तहसील कार्यालय भी प्रस्तावित किया जाना चाहिए। साजिद खान ने पूर्ण अधिवेशन में भाषण दिया।

अकोला-

शहर की बढ़ती जनसंख्या और तहसील कार्यालय पर बढ़ते बोझ के कारण, अकोला पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक साजिद खान पठान ने बजट सत्र में एक प्रश्न प्रस्तुत कर सरकारी आदेश के अनुसार मनपा क्षेत्र में तहसील और अपर तहसील कार्यालय स्थापित करने की मांग की थी। तदनुसार, सरकार ने तहसील कार्यालय, अकोला को इस संबंध में एक औपचारिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है और तदनुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शहर की सीमा के विस्तार के बाद तहसील कार्यालय पर कार्यभार काफी बढ़ गया है। तहसील कार्यालय श्रवण बाल योजना, संजय गांधी निराधार योजना और राशन आपूर्ति सहित विभिन्न कार्यों के प्रबंधन में व्यस्त है। एक ही कार्यालय पर बढ़ते दबाव के कारण लाभार्थी नागरिकों को भी अपना काम कराने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। सरकार के राजस्व विभाग द्वारा २०२२ में जारी आदेश के अनुसार, सरकार की भूमिका शहर में महानगर पालिका की सीमा के भीतर तहसील कार्यालय के अलावा एक अपर तहसील कार्यालय शुरू करना था ताकि योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके और बढ़े हुए कार्यभार को भी कम किया जा सके। उस अध्यादेश का हवाला देते हुए अकोला पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक साजिद खान पठान ने हाल ही में आयोजित बजट सत्र में सवाल उठाया था। परिणामस्वरूप, सरकार जागी और उसने अकोला के जिला कलेक्टर को इस संबंध में उचित रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, तदनुसार, तहसील कार्यालय ने भी उचित रिपोर्ट तैयार करके जिला कलेक्टर को प्रस्तुत की।

पातूर में पुराने बस स्टैंड पर लगी आग

पातुर-

पातूर शहर के पुराने बस स्टैंड पर स्थित दिलखुश रेस्टोरेंट में मंगलवार की रात अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्राथमिक अनुमान के अनुसार, यह शॉर्ट सर्किट के कारण हो सकती है। नागरिकों का मानना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह आग लगी है।शहर में ट्री कटिंग (पेड़ काटने) के नाम पर पेड़ों की छंटाई चल रही थी। इसी दौरान, दिलखुश रेस्टोरेंट के ऊपर स्थित पेड़ों की शाखाओं को काटकर फेंका गया, जो रेस्टोरेंट की टीन की छत पर गिर गईं। तारों के घर्षण से इन शाखाओं में आग लग गई।आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया। पातूर नगर परिषद का अग्निशमन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन संपत्ति को नुकसान हुआ है।आग की खबर मिलते ही पातूर के सैकड़ों युवक घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य में हिस्सा लिया।घटनास्थल पर पातूर नगर परिषद के मुख्य अधिकारी सय्यद अहेसानोद्दीन, अग्निशमन दल चालक अशफ़ाक भाई, प्रल्हाद वानखड़े, मो.मुदस्सिर और अन्य कर्मचारी पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक मदद उपलब्ध कराई।बिजली विभाग के शहर उप अभियंता बोरकर मुख्यालय में अनुपस्थित थे। जब स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें फोन किया, तो उनका मोबाइल बिजी मोड पर था, जिससे नागरिकों में असंतोष फैल गया।घटनास्थल पर मौजूद बिजली विभाग की महिला कर्मचारी सपना सुरवाडे, प्रवीण तायडे और राजू सौंदळे शेख मतीन ने बिजली आपूर्ति बंद कर दी, जिससे आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

आपस में भिड़ी दो बसें व एक बोलेरो, ७ लोगों की मौत

बुलढाणा-

जिले में आज सुबह यानी बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे बुलढाणा जिले के शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर हुआ। इस हादसे में दो यात्री बसें और १ बोलेरो जीप आपस में भिड़ गए। हादसे में कम से कम ७ लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोगों के घायल होने की जानकारी मिल रही है, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गए और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हादसे की जगह को साफ कराया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब साढ़े पांच बजे एक तेज रफ्तार बोलेरो कार एसटी बस से टकरा गई। उसके बाद पीछे से आ रही एक निजी यात्री बस इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से जा टकराई। इस भीषण दुर्घटना में ७ लोगों की मौत हो गई है और २५ लोग घायल हैं।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। घायलों का इलाज खामगांव के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह भीषण दुर्घटना वास्तव में कैसे हुई और किसकी गलती थी। लेकिन इस दुर्घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना में तेज रफ्तार बोलेरो शेगाँव से कोल्हापुर जा रही थी। वहीं, एसटी कॉर्पोरेशन की एक बस पुणे से परवाड़ा जा रही थी। इसी तरह एक निजी यात्री बस इन दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई।

सभी कार्यालयों को सात- कलमी कार्रवाई करनी चाहिए

कार्यक्रम का सख्ती से क्रियान्वयन किया जाना चाहिए- पालकमंत्री आकाश फुंडकर

अकोला-

कार्यालयों द्वारा सरकार की १०० दिवसीय कार्ययोजना के कार्यान्वयन की निगरानी 'भारतीय गुणवत्ता परिषद' द्वारा की जाएगी। इस कार्यक्रम के महत्व और गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सभी कार्यालयों को तुरंत आवश्यक कमियों को सुधारना चाहिए और इसे पूरी तरह से लागू करना चाहिए, राज्य के श्रम मंत्री और जिले के पालकमंत्री, एडवोकेट ने निर्देश आकाश फुंडकर ने जानकारी दिए।

पालक मंत्री एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से कार्यालयों द्वारा सरकार के १००-दिवसीय कार्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा में बोल रहे थे। जिला कलक्टर अजीत कुंभार, पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह सहित सभी विभागाध्यक्ष, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार आदि उपस्थित थे। पालकमंत्री फुंडकर ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आम नागरिकों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन को सात सूत्री कार्ययोजना दी है। सभी कार्यालयों को सभी सात उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए: अद्यतन वेबसाइट, जीवन को आसान बनाना, स्वच्छता, लोक शिकायतों का निवारण, कार्यालय सुविधाएं, निवेश प्रोत्साहन और क्षेत्रीय कार्यालयों का दौरा। ऐसी कार्रवाइयों की गुणवत्ता परिषद द्वारा समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस संबंध में निरीक्षण करेंगे। जिला कलेक्टर कुंभार ने बताया कि कार्ययोजना तैयार करने के क्रम में प्रथम चरण में जिले में इंजीनियरिंग छात्रों द्वारा कार्यालयों का मूल्यांकन कराया गया। कार्यालयों की वेबसाइटें अद्यतन कर दी गई हैं। आवेदक को प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए ई-ऑफिस पोस्टल ट्रैकर विकसित

किया गया है। स्वामित्व योजना के तहत शिविर के माध्यम से ७५० लंबित मामलों का समाधान किया गया तथा अधिकार पत्र वितरित किए गए।जिला कलेक्टर श्री. कुंभार ने आगे कहा कि तलाठी और मंडल कार्यालयों के स्तर पर भी ई-ऑफिस प्रणाली विकसित की जा रही है। तालुका स्तर पर साप्ताहिक शिकायत निवारण दिवस की पहल शुरू की गई है। कार्यालयों की साफ-सफाई, आगंतुकों के लिए सुविधाएं, सूचना पट्ट आदि के संबंध में कार्रवाई की गई है। एआई का उपयोग कार्य को अधिक प्रभावी, तेज और अधिक सटीक बनाने का एक प्रयास है। इसके तहत 'ई-कोतवाल बुक' पहल भी लागू की जाएगी।

शिकायत निवारण प्रणाली के अनुरूप सभी पुलिस स्टेशनों को शामिल करते हुए एक केंद्रीकृत डाटाबेस बनाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक श्री ने कहा कि इससे शिकायतों पर नजर रखने और उनका त्वरित निपटान संभव हो सकेगा। सिंह ने कहा।

गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वीडियो निर्माण प्रतियोगिता में तालुका के ४६ शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया

बार्सिटाकली (गुफरान शेख)

महाराष्ट्र सरकार स्कूल शिक्षा और खेल विभाग राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद महाराष्ट्र राज्य पुणे ने संयुक्त रूप से वर्ष २०२३-२४ में शिक्षकों के लिए एक गुणवत्ता शैक्षिक वीडियो उत्पादन प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए और बार्सिटाकली तालुका के ४६ शिक्षकों ने तालुका-स्तरीय प्रतियोगिता जीती। सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विजेता शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गट विकास अधिकारी रविकांत पवार ने की, जबकि मुख्य रूप से गट शिक्षाणाधिकारी संदीप मालवे, प्रभारी विस्तार अधिकारी प्रमोद जानोरकर, विठ्ठल धात्रक केंद्र प्रमुख शाहिद इकबाल खान, गट समन्वयक दिलीप आवठे, अरविंद आगाशे, संचालक किशोर बळी, राजेश खुमकर व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। तालुका के ४६ शिक्षकों को पुरस्कार वितरित किये गये। इनमें शगुफ्ता जमाल, सैयद नशीत अली, सैयद शकील, देवेन्द्र, विजय खंडारे, रहुल्लाह खान, शाहिद इकबाल खान, अंतकला, अनिल वानखड़े, माधव गावंडे, गोविंद राठौड़ , संतोष पचपोर , योगेश कोहर , मंगेश गायकवाड़ , शिवप्रसाद दुतोंडे ,श्वेता खुमकर , राजेंद्र रायसिंह , सुधाताई कडोदे , नंदा मावळे , कीर्ति माला श्रीकृष्ण राउत, अमोल गोंचावर , प्रशांत पुराणिक , गजानन प्रकाश राठौड़ , बबीता बंडु वानखड़े ,राम भास्कर पोरे , दीपाली किशोर बाली ,ज्ञानेश्वर नेमाले ,गोपाल काळे ,अलका विनायक पन्हलकर , राजेश शिरसाट , शुभांगी अविनाश चंदन , जाहिद , प्रतिभा देवराव अवतले को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पिंजर केंद्र के वरिष्ठ केंद्र प्रमुख विठ्ठल धात्रक को उनके सेवापुर्ती दिवस पर शिक्षा विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए मंगेश ठाकरे, चन्द्रशेखर तेलगोटे, कु.मीना इंगले, हर्षल भटकर, कु . कंचन जाधव , कु . दीपाली महल्ले विशाल उपाध्याय ने मेहनत की, संचालन सुशांत देशमुख ने किया।

आपसी भाईचारे को बढ़ावा हेतु बार्सिटाकली शहर में ईद मिलन कार्यक्रम

ऐसे कार्यक्रम का आयोजन वक्त की ज़रुरत

बार्शिटाकली-

बार्सिटाकली शहर हमेशा से समाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की जीती जगती मिसाल रही है। इसी समाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश से हर साल शहर में ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी के चलते मंगलवार १ अप्रैल को शहर के खड़ाकपुरा निवासी वंचित बहुजन आघाडी के वरिष्ठ नेता हाजी सैय्यद रागीब द्वारा अपने निवास स्थान पर ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें शहर के थानेदार , गणमान्यवर एवं शहर के नागरिकों ने एक -दूसरे को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं दी। और सामूहिक रूप से शिर खुरमें का स्वाद लेकर आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने में पहेल की इस कार्यक्रम में थानेदार प्रकश तुनकलवार , माजी जी. प.सदस्य चंद्रशेखर पांडे , वंचित के ज्येष्ठ नेता नईमोद्दिन शेख , गोबा सेठ ,रमेश वाटमारे , हाजी सय्यद आशिक,ज्येष्ठ पत्रकार मुफ़ीज़ खान ,हुसैन साहेब,मदन धत्राक , भारत बोबडे , सुनिल शिरसाठ ,सुनील धुरंधर ,इमरान खान फ्रुट वाले , अज़हर पठान , श्रावन भातखड़े, दत्ता साबळे , अनिल धुरेंधर , अनंता केदारे , सैय्यद फारूक, जैनोद्दिन लिडर, नागेश ठाकरे , अमोल हाके , प्रविण म्हस्के , रमेश देशमुख , सागर देशमुख , अंकीत वानखड़े , प्रभाकर चौहान , हाजी सय्यद गालिब,मौलाना सोहेल , सैय्यद शोएब , सैय्यद शादाब , सैय्यद नातिक,आदी उपास्थित थे।

> सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने हेतु इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना बहुत जरूरी बार्सिटाकली शहर आपसी भाईचारे की मिसाल है।
>
> **प्रकाश तुनकलवार**
> **(पुलिस निरीक्षक पुलिस स्टेशन बार्सिटाकली)**

फसल को अच्छें दाम नहीं मिलने से किसान आत्महत्या पर मजबूर- बच्चु कडु का आरोप

बालापुर-

बालापुर तहसील के क्षेत्र में आने वाले ग्राम शिंगोली में पिछले दिनों दो किसानों ने नापीकी के कारण आत्महत्या कर ली थी। आज बुधवार को प्रहार संघटना ने व राज्य के पूर्व मंत्री बच्चू कडू ने शिंगोली जाकर आत्मा हत्या ग्रस्त किसानों के परिवार से मुलाकात की। आपको बता दे की राजेश नागोराव बोर्डे उम्र ४८ वर्ष शिंगोली निवासी के पास चार एकड़ खेती है बैंक कर्ज़ ऊपर से खेती में लगातार फसल नहीं होने के कारण होली के दिन आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह दयाराम लक्ष्मण बोरडे उम्र ५५ वर्ष शिंगोली निवासी पर भी बैंक कर्ज और ना पीकी के कारण गुढीपाडवा के दिन आत्महत्या कर ली, किसानों की हो रही आत्महत्या को लेकर बच्चु कडु से जब पूछा गया तो, उन्होंने सरकार को जुम्मेवार बताते हुए कहां की बाहर देश से पाम तेल आयात किया जा रहा है। पाम तेल आयात होने के कारण सोयाबीन को दाम नहीं मिल पाए। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुधर नहीं पा

रही है।जिस के लिए बच्चु कडु ने सरकार को जिम्मेदार बताया। इस अवसर प्रहार के बालापुर तालुका अध्यक्ष संतोष खावट, अरविंद पाटील, भूषण पारसकर, चंदन राठौड़, वैभव ढारकर, पुलिस पाटील संतोष बोर्डे, जय बोर्डे आदि गांव वासी उपस्थित थे।